

असाधारण EXTRAOPDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 119] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 28, 1980/वैशाख 8, 1902 No. 119] «NEW DELHI, MONDAY, APRIL 28, 1980/VAISAKHA 8, 1902

वाणिज्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय हैक्सदाइल विमाग

नई दिल्ली, 28 मप्रैल, 1980

ग्रधिसूचना

सारकार मि० 241(म्). — केन्द्रीय सरकार, नैशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन भीर अन्तरण) शब्यादेश, 1980 (1980 का 4) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि नैशनल कम्पनी लिमिटेड के उपक्रम भीर उक्त कम्पनी के उपक्रमों के सम्बन्ध में उनके अधिकार, हुक भीर हित जो उक्त भ्रध्यादेश की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए हैं, केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए हैं, केन्द्रीय सरकार में निहित को बजाय, जूट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड में जो विश्वमान सरकारी कम्पनी हैं, 28 अप्रैल, 1980 से निहित हो जाएंगे।

(481)

[फा॰ सं॰ 19/7/79-जूट]

ए० एस० गिल, सचिब

94GI/80

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Textiles)

New Delhi, the 28th April, 1980 NOTIFICATION

G.S.R 241 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Ordinance, 1980 (4 of 1980), the Central Government hereby directs that the undertakings of the National Company Limited, and the right, title and interest of the said company in relation to its undertakings which have vested in the Central Government under section 3 of the said Ordinance shall, instead of continuing to vest in the Central Government, vest in the Jute Corporation of India Limited, an existing Government company, with effect from the 28th April, 1980.

[F. N. 19/7/79-Jute]A. S. GILL, Socy.